# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
# गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in


दिनांक 09.07.2022

## प्रकाशनार्थ
## पर्यावरण संरक्षण के लिए पौध रोपण आवश्यक

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाइयों महाराणा प्रताप, गोरक्षनाथ, सुभाष व मीराबाई इकाई के द्वारा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाये जा रहे वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन दिग्वियजनाथ महिला छात्रावास के प्रांगण में किया गया। जिसमें फलदार वृक्ष आम व अमरूद को रोपित कर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह एवं मुख्य नियन्ता डॉ. धीरेन्द्र सिंह द्वारा प्रारम्भ किया गया तत्तश्चात् कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में उपस्थित स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं के साथ 152 फलदार वृक्ष आम, अमरूद, लीची आदि को रोपित किया गया। बचे हुए पौधों को 23 स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को दो–दो वृक्ष अपने घर पर रोपित करने के लिए दिया गया।

दूसरे सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा से ही हमारा जीवन बच पायेगा। जब पेड़–पौधे होंगे तभी पर्यावरण सुरक्षित होगा। वर्तमान में तेजी से कम होते पेड़–पौधों के कारण ही हमारे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। परिणामस्वरूप जल–संकट के साथ–साथ मौसम में असमानता देखने को मिल रही है। यदि वक्त रहते लोग नही चेते तो आने वाला समय और संकटपूर्ण होगा। ऐसे आम जन के सहयोग से सरकार द्वारा जुलाई माह में पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। पौधा लगाने के साथ–साथ उसकी देख–भाल व रख–रखाव भी उतना ही जरूरी है।

महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि पौधे लगाकर हम आक्सीजन को वातावरण में उपलब्ध करा सकते हैं। पेड़–पौधे सभी प्रकार के विषैली गैसों को अवशोषित कर लेते है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय, श्री संतोष त्रिपाठी, श्री अंकित सिंह, श्री अजय शर्मा, श्री कुलदीप शाही, श्री अश्वनी श्रीवास्तव, श्री नवीन सिंह आदि उपस्थित रहे।

**डॉ.(संजय कुमार त्रिपाठी)**
**वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी**
**राष्ट्रीय सेवा योजना**